'जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

जोन उपायुक्त एवं मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को प्रतिदिन शहर का निरीक्षण कर मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने के निर्देश

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए सोमवार को जयपुर के समस्त जोन उपायुक्तों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर में विभिन्न स्थानों पर बने कचरा पॉइंट्स एवं सफाई व्यवस्था में सामने आ रही लापरवाही पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता के प्रति किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- कचरा पॉइंट्स पर जताई नाराजगी, कॉलोनियों, सब्जी मंडियों एवं बाजारों में भी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश



शासन सचिव रवि जैन ने जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए सोमवार को जयपुर के समस्त जोन उपायुक्तों की बैठक ली।

जैन ने सभी जोन उपायुक्तों एवं मुख्य सफाई निरीक्षकों को प्रतिदिन अनिवार्य रूप से फील्ड में उतरकर अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि मौके पर जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लें।उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की पालना में किसी भी प्रकार की कोताही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शासन सचिव ने कहा कि आवासीय कॉलोनियों, आंतरिक मार्गों, सब्जी मंडियों, बाजारों एवं अन्य व्यस्त क्षेत्रों में भी नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कचरा संग्रहण एवं निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ ही चिन्हित कचरा पॉइंट्स को समाप्त करने तथा दोबारा कचरा एकत्रित नहीं होने देने के निर्देश दिए।

उन्होंने दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर डस्टबिन नहीं रखने पर भी सख्त रुख अपनाते हुए ऐसे प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अधिकाधिक चालान जारी करने के निर्देश दिए।

इस बैठक में नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा, अतिरिक निदेशक डीएलबी डॉ अशोक कुमार, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम नरेन्द्र कुमार बंसल, मुख्य अभियंता प्रदीप गर्ग सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

कैफे संचालक पर जानलेवा हमले का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने कैफे संचालक पर लोहे के पाइपों से जानलेवा हमला करने के मामले में एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद रसीद उर्फ अलतमस के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से वारदात में शामिल अन्य लोगों और घटना से जुड़े तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

हर्ष वर्धन ने 6 नवंबर को वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनके चाचा मयंक गोपालिया वैशाली नगर में ओवन द बेकरी नाम से कैफे संचालित करते हैं। 30 अक्टूबर को कैफे पर काम करने वाली शबाना खान का परिचित शाहरुख अपने अन्य साथियों के साथ वहां आया था। इस दौरान शाहरुख ने मयंक गोपालिया को जान से मारने की धमकी दी थी।

एकांतवास में अपने कार्यकाल का आकलन करें गहलोत : अरुण चतुर्वेदी

युवाओं के साथ किए धोखे पर गहलोत को होना चाहिए पछतावा : चतुर्वेदी

जयपुर। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें एकांतवास में जाकर अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों और लिए गए निर्णयों का आकलन करना चाहिए। उन्हें अपने कर्मों पर पछतावा होना चहिए, क्योंकि उन्होंने प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा किया है।

- 'कांग्रेस में ही अशोक गहलोत की प्रासंगिकता और सम्मान समाप्त'

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि अशोक गहलोत को अब कांग्रेस पार्टी ने भी पूरी तरह नकार दिया है। कांग्रेस में गहलोत की बातचीत समाप्त हो चुकी है और पार्टी में उनका सम्मान भी पहले जैसा नहीं रहा है। यही कारण है कि गहलोत मीडिया में बयानबाजी कर स्वयं को राजनीति में प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि जिस तरह शहरी क्षेत्रों में जनता ने भाजपा को समर्थन दिया, उसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंचायत चुनाव परिणामों में पार्टी को व्यापक जनसमर्थन मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के अधिकांश जिला परिषद एवं पंचायत समितियों में भाजपा की जीत होगी। अरुण चतुर्वेदी ने जिला प्रमुख, प्रधान एवं अन्य पदों पर पार्टी के निर्णय को लेकर कहा कि भाजपा एक सक्रिय और लोकतांत्रिक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। पार्टी नेतृत्व जिस भी कार्यकर्ता के नाम पर सहमति बनाएगा, सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर उसे जिताने का काम करेंगे।

प्रदेश के विकास की मंशा से शुरू किए प्रयास ला रहे हैं रंग : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। इसी का परिणाम है कि राजस्थान सौर ऊर्जा स्थापना एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर है। इतना ही नहीं, राजस्थान के जयपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम (डिस्कॉम) भी लाभ की स्थिति में आ गए हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने प्रदेशवासियों का शुभ करने के उद्देश्य से जो कदम उठाए हैं, उनसे प्रदेश को यह लाभ प्राप्त हुआ है। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नियत और कुशल नेतृत्व के चलते आए आज ये सुखद परिणाम प्राप्त हुए है।

- प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बिजली कंपनियों को पहुंचा दिया था गर्त में, भजनलाल सरकार घाटे से निकालकर लाई मुनाफे में: मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महज 34 माह के अल्प कार्यकाल में बिजली उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था को घाटे से निकालकर बेहतर बनाया है। अजमेर डिस्कॉम ने 1875.82 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है, वहीं जयपुर डिस्कॉम पहली बार 931 करोड़ रुपए के लाभ में आया है। इसके साथ ही बिजली कंपनियों के संचयी घाटे में भी लगभग 8,725 करोड़ रुपए की कमी आई है। कांग्रेस शासनकाल में बिजली के लिए तरसने वाले राजस्थानवासियों को भाजपा सरकार ने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए न केवल पर्याप्त बिजली उपलब्ध करवाई, बल्कि 2,000 करोड़ रुपए की बिजली का विक्रय भी किया। कांग्रेस की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कुप्रबंधन के चलते बिजली कंपनियां लगातार घाटे में जा रही थी, हालात यहां तक पहुंच गए थे कि उधार की बिजली ली जा रही है, उसे चुकाने के लिए ऋण लिया जा रहा था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि किसानों के दर्द को वही लोग समझ सकते हैं, जो स्वयं किसान के रूप में जमीन से जुड़े हों और उनकी समस्याओं से परिचित हों। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों की उस पीड़ा को समझा, जिसके चलते उन्हें बिजली का इंतजार करते हुए रात-रातभर खेतों में जागकर रहना पड़ता था। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 28 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध करवाने का निर्णय धरातल पर लागू करवाया। इससे किसानों को बड़ी राहत मिली है और साथ ही 1,246 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत भी हुई है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2023 को बिजली क्षेत्र का कुल घाटा 92,069 करोड़ रुपए था, जो 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर 98,634 करोड़ रुपए हो गया था।

बाल सुधार गृह में जयपुर पुलिस का निरीक्षण

जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल एवं स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश के निर्देशन में जयपुर पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में कमिश्नरेट की सीएसटी टीम और पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर द्वारा सोमवार को राजापार्क के सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम को 20 ग्राम गांजा, 4 मोबाइल फोन एवं 4 चार्जिंग एडेप्टर मिले। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि बाल सुधार गृह में औचक निरीक्षण के दौरान सीएसटी टीम एवं थाना ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई। इस दौरान 20 ग्राम गांजा,2 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 2 कीपैड मोबाइल फोन तथा 4 चार्जिंग एडेप्टर सहित अन्य सामग्री मिली। अन्य सामग्री के संबंध में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

जयपुर में डाला छठ श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया

जयपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व डाला छठ सोमवार को उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। इसी के साथ छठी मैया को समर्पित करीब 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत भी पूर्ण हुआ। व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद घर पहुंचकर परिजनों के साथ पारण किया। इस अवसर पर गलता जी तीर्थ में मेले जैसा माहौल रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। राजधानी में बिहार, झारखंड और पूर्वांचल की संस्कृति, लोकगीतों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों की झलक देखने को मिली।

- गलता जी तीर्थ पर उमड़ा जनसैलाब, शहर में करीब 150 स्थानों पर हुआ छठ महापर्व का आयोजन

सोमवार तड़के से ही गलता जी तीर्थ सहित छठ पूजा के लिए बनाए गए कृत्रिम जलाशयों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। सूर्योदय से पहले ही पूजा स्थलों पर छठी मैया के पारंपरिक लोकगीत गूंजने लगे। जैसे ही सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, महिला व्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान के सुखी जीवन की कामना की। रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करने के बाद सोमवार सुबह उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया गया।

बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि जयपुर में गलता जी तीर्थ के अलावा आमेर स्थित मावठा, शास्त्री नगर के किशन बाग, 52 फुट हनुमान मंदिर के सामने, लालसोट धाम, आगरा रोड, ब्रह्मपुरी, प्रताप नगर, रॉयल सिटी माचवा, विश्वकर्मा, बड़ोदिया बस्ती और मुरलीपुरा सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा का आयोजन किया गया।

जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल के पहले दिन शिक्षा, सस्टेनेबिलिटी पर मंथन

जयपुर। जयपुर के 300वें स्थापना वर्ष को समर्पित तीन दिवसीय जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल का सोमवार को जवाहर कला केंद्र में भव्य आगाज हुआ। एसोसिएशन ऑफ डिज़ाइनर्स ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से राजस्थान टूरिज्म और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह की शुरुआत द प्रियरंग प्रोजेक्ट की विशेष प्रस्तुति गणेश वंदना : महागणपतिम से हुई। जयपुर की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक रचनात्मक सोच के संगम को दर्शाती इस फ्यूजन प्रस्तुति को निर्देशक दीप्ती कोठरी ने कोरियोग्राफ किया। इसमें नन्ही बच्चियों परिधि कनोडिया, काव्या शाह और स्वरा कोठारी ने कथक की मनभावन प्रस्तुति दी।

- फिल्ममेकिंग, स्टोरीटेलिंग और कलर डिज़ाइन की कार्यशालाओं में प्रतिभागियों ने सीखी रचनात्मकता की



तीन दिवसीय जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल का सोमवार को जवाहर कला केंद्र में भव्य आगाज हुआ।

विभिन्न विषयों पर संवाद और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसमें विशेषज्ञों, डिजाइनर्स, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों ने भाग लिया। फेस्टिवल के पहले दिन कला एवं डिजाइन प्रदर्शनी भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही।

जहां जयपुर के 300 साल के खूबसूरत डिज़ाइन और आर्ट सफ़र को याद में रखते हुए जयपुर से जुड़ी कलाकृतियाँ, डिज़ाइंस और ब्रांडस प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण दो फ़ोरम चर्चाएं रही, जहां एजुकेशन बाय डिज़ाइन फोरम में इस बात पर चर्चा हुई वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिज़ाइन की डीन लोलिता दत्ता के संचालन में आयोजित इस सत्र में बेनेत्त यूनिवर्सिटी की डीन डॉ. मनीषा मोहन, डिजाइनर एवं शिक्षाविद जिनान के.बी, पूर्व सीबीएसई शिक्षा अधिकारी संदीप सेठी और आइआइटी बॉम्बे के आइडीसी स्कूल ऑफ डिज़ाइन के प्रोफेसर फनी टेटाली ने अपने विचार साझा किए।

तीन हजार 736 वाहन चालकों के चालान काटे

जयपुर। राजधानी जयपुर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने, सड़कों पर लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जयपुर यातायात पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान एक ही दिन में कुल 3 हजार 736 वाहन चालकों के चालान काटे गए। इनमें सबसे अधिक कार्रवाई नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ की गई। पुलिस ने ऐसे 2 हजार 744 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत के अनुसार 16 नवंबर को शहर में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सघन कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 3 हजार 736 वाहनों के विरुद्ध चालान काटे गए। इनमें 2 हजार 744 वाहन नो-पार्किंग जोन में खड़े पाए गए, जिनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित होता है।

अनुसंधान एवं अभियोजन में मार्गदर्शक बनेगी "विधि दर्पण" पुस्तिका

जयपुर। अनुसंधान अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस ने नवाचार करते हुए 'विधि दर्पण' पुस्तिका प्रकाशित की है। अनुसंधान एवं अभियोजन को अधिक प्रभावी, विधिसम्मत और न्यायिक अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए तैयार इस पुस्तिका में उच्चतम न्यायालय एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण चयनित निर्णयों को संकलित किया गया है।पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में सोमवार को पुस्तिका के प्रथम अंक का विमोचन किया। शर्मा ने कहा कि यह पुस्तिका पुलिस अधिकारियों के लिए अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और अभियोजन प्रक्रिया में एक उपयोगी संदर्भ सामग्री साबित होगी। पुस्तिका को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है। प्रथम भाग में उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्णय रखे गए हैं। इनमें गिरफ्तारी के आधार लिखित में देना अनिवार्य होने, अग्रिम अनुसंधान के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति अनिवार्य, दीवानी विवाद और छल के अपराध तथा पहचान का साक्ष्य एवं शिनाख्त परेड जैसे विषय शामिल हैं।

- डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने प्रथम अंक का विमोचन किया

इसके द्वितीय भाग में राजस्थान उच्च न्यायालय के अनुसंधान में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा और अवरोधन के सुरक्षा उपाय एवं एफआईआर से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों का संकलन है। तृतीय भाग में एक अनुसंधान अधिकारी के लिए उपयोगी आठ आधारभूत एवं स्मरणीय निर्णय दिए गए हैं।

इसके साथ ही, पुस्तिका में नवीन एवं प्राचीन कानूनों की समतुल्य धाराओं की सारणी के साथ दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय न्याय संहिता की महत्वपूर्ण धाराओं का भी उल्लेख किया गया है। इसमें पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, सीआईडी-सीबी महानिरीक्षक पुलिस व पुस्तिका प्रधान संपादक के. बी. वंदना और उप महानिरीक्षक पुलिस (अपराध शाखा) राशि डोगरा डूडी के विशेष आलेख भी प्रकाशित किए गए हैं। इस पुस्तिका का हर तीन माह में प्रकाशन किया जाएगा।

सार-समाचार

राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 का निरीक्षण



जयपुर। शासन सचिव, पर्यटन विभाग शुचि त्यागी ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन, देवस्थान तथा कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग से संबंधित दर्ज परिवेदनाओं एवं उनके निस्तारण की वास्तविक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। त्यागी ने कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर आमजन द्वारा दर्ज करवाई गई परिवेदनाओं की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कुछ प्रकरणों का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित परिवादियों से दूरभाष पर संवाद किया तथा उनकी समस्याओं के संबंध में बिंदुवार जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मचकुंड मंदिर की मरम्मत से जुड़े प्रकरण, वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के आवेदनों तथा पर्यटन विभाग के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पोर्टल से संबंधित शिकायतों की गहन समीक्षा की गई। शासन सचिव ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। ऐसे में संपर्क पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयावधि में निस्तारित किया जाए।

प्रलेस के राज्य सम्मेलन में शिक्षा और सामाजिक समानता पर विमर्श

जयपुर। प्रगतिशील लेखक संघ (प्रलेस) राजस्थान का राज्य सम्मेलन शनिवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के देरासभागार में संपन्न हुआ। सम्मेलन के वैचारिक सत्र का विषय 'ज्योतिबा फुले : सामाजिक परिवर्तन, सावित्रीबाई फुले : संघर्ष एवं शैक्षिक क्रांति' था। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सुखदेव सिंह सिरसा मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन में शिक्षा, सामाजिक समानता, जातिगत भेदभाव और स्त्री मुक्ति के सवालों पर विचार व्यक्त किए गए। दूसरे सत्र में सर्वसम्मति से प्रसिद्ध कथाकार डॉ. सत्यनारायण को प्रदेश अध्यक्ष तथा लेखक एवं व्यंग्यकार फ़ारूक़ अफ़रीदी को प्रदेश महासचिव निर्वाचित किया गया। सुप्रसिद्ध साहित्यकार और आदिवासी जीवन के अध्येता हरिराम मीणा ने ज्योतिबा फुले के योगदान पर बोलते हुए कहा कि फुले के समय जैसी परिस्थितियां थीं, वैसी ही विकट स्थितियां आज भी दिखाई दे रही हैं। सत्ता दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. अनीता भारती ने सावित्रीबाई फुले के संघर्ष और शैक्षिक क्रांति पर कहा कि वे शिक्षा को शेरनी का दूध मानती थीं। मात्र सत्रह वर्ष की उम्र में जनवरी 1848 में उन्होंने बालिकाओं के लिए पहला स्कूल शुरू किया। सामाजिक विरोध और अपमान के बावजूद वे अपने अभियान से पीछे नहीं हटीं। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को अभिव्यक्ति की ताकत और आत्मविश्वास दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ आलोचक डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कहा कि सम्मेलन में व्यक्त विचार औपचारिक वक्तव्य नहीं, बल्कि आज के दौर की जरूरी चिंताएं हैं।

पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर लेंगे पूरा फीडबैक

जयपुर। कांग्रेस पार्टी के सभी जिला प्रभारी आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित हो रहे हैं, प्रत्येक जिला प्रभारी से पंचायत राज संस्था के चुनाव के बारे में प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी पूरा फीडबैक लेंगे। प्रत्येक जिले के प्रत्येक वार्ड मेंबर और प्रत्येक पंचायत समिति के प्रत्येक वार्ड मेंबर के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों की जीत के कितने चांस हैं, मतदान का प्रतिशत, मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों इत्यादि सभी विषयों को लेकर जिला प्रभारी से विस्तार से जानकारी हासिल की जाएगी। पार्टी के सभी जिला प्रभारी से प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व ने चुनाव संबंधी संपूर्ण रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लाने को कहा है।

मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की घटनाओं पर चिकित्सा मंत्री सख्त

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के साथ रैगिंग, दुर्व्यवहार और किसी भी प्रकार का मानसिक अथवा शारीरिक उत्पीड़न किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए और दोषी विद्यार्थियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले संस्थान के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

- रैगिंग रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति की सख्ती से पालना के निर्देश
- कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी तय होगी, लापरवाही मिलने पर होगी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज शिक्षा और संस्कार के केंद्र हैं। यहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना संस्थान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ विद्यार्थियों को प्रताड़ित करना, उन पर अनुचित दबाव बनाना, देर रात तक जगाना, जबरन गतिविधियां करवाना अथवा किसी भी प्रकार से अपमानित करना गंभीर अनुशासनहीनता है। ऐसी घटनाओं को किसी भी स्तर पर नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेजों में जारी एंटी रैगिंग एक्शन प्लान की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। कॉलेज प्रशासन रैगिंग की प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई करे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि रैगिंग संबंधी शिकायतों की जांच के दौरान पीड़ित विद्यार्थियों की पहचान एवं परिवारों की जानकारी गोपनीय रखी जाए। शिकायतकर्ताओं को डराने-धमकाने अथवा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई हो।

मर्यादाओं में रहकर निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करें: देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि उनका मीडिया से 55 सालों का संबंध है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को मर्यादाओं में रहकर निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करनी चाहिए। पत्रकारिता लोकतंत्र की शक्ति है। संसद और विधानसभाओं में लिए गए निर्णयों का दस्तावेजीकरण संवैधानिक इतिहास का निर्माण करता है, वहीं पत्रकारिता उन निर्णयों के पीछे के विचारों, परिस्थितियों और जनभावनाओं को समाज के सामने सुरक्षित रखती है।

- स्पीकर देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का भी सम्मान, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति श्रद्धा बनी रहनी चाहिए

पत्रकारिता लोकतंत्र के वर्तमान का चित्रण करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए समय का प्रमाण भी प्रस्तुत करती है। देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का भी सम्मान होता है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति श्रद्धा बनी रहनी चाहिए।



देवनानी ने राजस्थान पत्रकार परिषद के दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में सहभागिता की।

स्पीकर वासुदेव देवनानी सोमवार को यहां विद्याधर नगर में राजस्थान पत्रकार परिषद के दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह को शुभारम्भ किया। देवनानी ने वरिष्ठ पत्रकारों का साफा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। देवनानी ने कहा कि कलम की ताकत का वास्तविक परिचय उसके प्रभाव से मिलता है। एक समाचार किसी उपेक्षित गांव की समस्या को शासन तक पहुंचा सकता है, किसी पीडित के मन में न्याय की उम्मीद जगा सकता है और किसी सकारात्मक प्रयास को देशव्यापी पहचान दिला सकता है। पत्रकारिता की सार्थकता जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से सामने लाने और समाज को सही दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करने में निहित है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता आंदोलन पत्रकारिता के योगदान के बिना अधूरा है। राजा राममोहन राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महान व्यक्तित्वों ने पत्रकारिता को राष्ट्रीय जागरण, जनचेतना और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। उनके विचार और लेखन आज भी पत्रकारिता की मूल प्रेरणा बने हुए हैं। देवनानी ने कहा कि संसदीय पत्रकारिता लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को नागरिकों के निकट लाती है।

सदन में होने वाली बहस, विधेयकों की भावना, जनप्रतिनिधियों के विचार और जनहित में लिए गए निर्णय जब पत्रकारिता के माध्यम से जनता तक पहुंचते हैं, तब संसदीय विमर्श व्यापक सामाजिक संवाद का हिस्सा बनता है। संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान, उनकी कार्यप्रणाली की समझ और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरुकता बढ़ाने में पत्रकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।